

रजिस्ट्री सं० डी० एल०-33004/99

REGD. NO. D. L.-33004/99

भारत का राजपत्र  
The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 101]

नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 29, 2014/ चैत्र 8, 1936

No. 101]

NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 29, 2014/CHAITRA 8, 1936

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 दिसम्बर, 2013

मि.सं. 15-3/2013 (ए.आर.सी.) पार्ट-III.-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, (1956) (3-1956) की धारा (ग) के उप-अनुच्छेद (I) के अनुच्छेद 28 में प्रदत्त अधिकारों के क्रियान्वयन के अनुसार विश्वविद्यालय अनुदान आयोग एतद्वारा निम्न विनियम सृजन करता है, नामतः :-

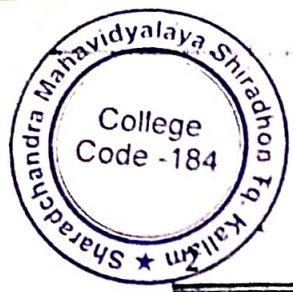
- (1) यह विनियम "उच्चतर शैक्षिक संस्थानों" में रैगिंग के जोखिम के निराकरण (द्वितीय संशोधन) विनियम 2013 कहलायेंगे।
- (2) इन विनियमों के अनुलग्नकों-I एवं II के अंतर्गत रैगिंग के जोखिम पर नियंत्रण के विश्वविद्यालय अनुदान आयोग विनियम 2009 (जो आगे से प्रमुख विनियम के रूप में जाने जाएँगे) इनमें सम्मिलित निम्न वाक्यों का विलोपन किया जाएगा:-  
"सत्यनिष्ठापूर्वक पुष्टि की गई एवं इस पत्र की विषयवस्तु को पढ़कर इस (दिन) ..... (माह)..... (वर्ष) को मेरी उपस्थिति में हस्ताक्षरित किया गया।

शपथ आयुक्त"

उपमन्त्र्य बसु सचिव

[ विज्ञापन-III/4/असा./113/13]

पाद टिप्पणी:- प्रमुख विनियमों को भारत के राजपत्र में अधिसूचना सं. 27 दिनांक 07.07.2009 में प्रकाशित किया गया था।



छात्र का आरवासन

1. मैं ..... (प्रवेश/पंजकरण/नामांकन संख्या के साथ ही छात्र का पूरा नाम) सुपुत्र/सुपुत्री/..... श्री/श्रीमती/सुश्री ..... जिसे ..... में (संस्थान का नाम) प्रवेश दिया गया है, उसने उच्च शैक्षिक संस्थानों, में 2009, के जोखिम पर नियंत्रण संबंधी यूजीसी विनियमों की प्रति प्राप्त की है (जो इसके आगे से विनियम कहलायेंगे) तथा इन विनियमों में समाविष्ट प्रावधानों को ध्यानपूर्वक पढ़ कर पूरी तरह से समझ लिया है।
2. मैंने, विशेष रूप से इन विनियमों की धारा 3 को ध्यानपूर्वक पढ़ा है तथा मुझे इस बात का संज्ञान है कि रैगिंग में कौन सी बातें सम्मिलित हैं।
3. मैंने विनियमों की धारा 7 एवं 9.1 को भी विशेष रूप से पढ़ा है तथा मैं उस दण्डात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई के विषय में पूरी तरह से सचेत हूँ जो मेरे विरुद्ध लागू की जा सकती है यदि मैं रैगिंग को बढ़ावा देने के लिए दोषी पाया जाता हूँ अथवा रैगिंग को सक्रिय अथवा छिपे तौर से प्रोत्साहित करने अथवा इस विषय में षड्यन्त्र करने का दोषी पाया जाता हूँ।
4. मैं एतद्वारा सत्यनिष्ठ रूप से प्रमाणित करता/करती हूँ एवं आरवासन देता/देती हूँ कि.....  
(क) मैं ऐसे किसी व्यवहार अथवा कृत्य में संलिप्त नहीं होऊँगा/होऊँगी जिसे इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना जा सकता है।  
(ख) मैं ऐसे किसी आचरण अथवा अनाचरण के काम में न तो भाग लूँगा/लूँगी न ही उसके षड्यन्त्र में अथवा उसके प्रोत्साहन में शामिल होऊँगा जिस कृत्य को इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना गया है।
5. मैं, एतद्वारा प्रमाणित करता/करती हूँ कि यदि मैं दोषी पाया जाता हूँ तो इन विनियमों की धारा 9.1 के अनुसार इनसे बिना पूर्वाग्रह के मैं दण्ड के लिए तथा ऐसी दण्डात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी हूँ जो कि अन्य किसी आपराधिक मामले के प्रति किसी चालू दण्डात्मक अथवा अन्य किसी कानून के अनुसार मेरे विरुद्ध की जा सकती है।
6. मैं घोषित करता/करती हूँ कि इस देश के किसी भी संस्थान ने, मुझे रैगिंग के षड्यन्त्र में अथवा इसे प्रोत्साहित करने, इसको बढ़काने में अथवा इसमें भाग लेने के मामले में दोषी पाने के लिए ना तो निष्कासित किया है ना ही प्रवेश से बाधित किया है—और मैं यह भी प्रमाणित करता/करती हूँ कि यदि की गई यह घोषणा असत्य पाई जाती है तो मुझे पूरी जानकारी है कि मेरा प्रवेश निरस्त करने का उत्तरदायित्व मुझ पर होगा।

घोषित किया गया ..... दिन..... माह ..... वर्ष


रापथकर्ता के हस्ताक्षर  
नाम

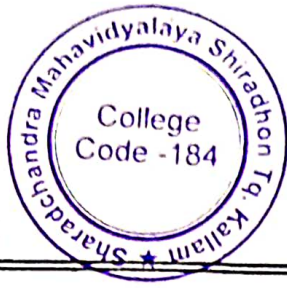
सत्यापन

सत्यापित किया जाता है कि यह वचनबद्धता मेरे संज्ञान सर्वांगीण रूप से सत्य है तथा इसका कोई भी अंश असत्य नहीं है तथा इसमें कथित कोई भी बात ना तो छिपाई गई और ना ही अर्थार्थ कही गई है।

सत्यापित (स्थान) ..... दिन ..... माह ..... वर्ष.....

रापथकर्ता के हस्ताक्षर  
नाम:

  
I/C PRINCIPAL  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon Tq Kallam



## अनुलग्नक-II

माता-पिता/अभिभावक द्वारा दी गई प्रतिबद्धता

1. श्री/श्रीमती/सुश्री \_\_\_\_\_ (माता-पिता/अभिभावक का पूरा नाम छात्र का पूरा नाम, उसके प्रवेश/पंजीकरण/नामांकन संख्या सहित) के पिता-माता/अभिभावक, जिसके छात्र को \_\_\_\_\_ (संस्थान का नाम) में प्रवेश दिया गया है, इसने उच्च शैक्षिक संस्थानों, 2009, में रैगिंग के जोखिम पर नियन्त्रण लगाने से संबंध यूजीसी विनियमों (जो आगे से विनियम के नाम से कहलायेंगे) को ध्यानपूर्वक पढ़ लिया है तथा इन विनियमों में समाविष्ट प्रावधानों को पूरी तरह समझ लिया है।
2. मैंने, विशिष्ट रूप से इन विनियमों का अवलोकन किया है तथा मुझे इस बात की जानकारी है कि रैगिंग में क्या बात शामिल है।
3. मैंने विनियमों की धारा 7 एवं 9.1 का भी विशेष रूप से अध्ययन किया है तथा मैं पूरी तरह से जागरूक हूँ कि यदि मेरी संतान रैगिंग की अथवा रैगिंग में सहायक होने की सक्रिय अथवा छिपे तौर से दोषी पाया/पाई जाती है अथवा रैगिंग को बढ़ावा देने के षडयन्त्र का एक हिस्सा होता/होती है तो उस स्थिति में उसके विरुद्ध जिस दण्डात्मक एवं प्रशासनिक कार्रवाई का वह भागीदार होगा/होगी, वह मेरे संज्ञान में है।
4. मैं एतद्वारा सत्यनिष्ठ रूप से प्रमाणित करता/करती हूँ एवं आश्वासन देता/देती हूँ कि.....  
(क) मेरी संतान ऐसे किसी व्यवहार अथवा कृत्य में संलिप्त नहीं होगी जिसे विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग माना गया है।  
(ख) मेरी संतान जान बूझकर अथवा भूलचूक से ऐसे किसी कृत्य में न तो संलिप्त होगी अथवा न ही उसमें सहायक होगी ना ही उसे प्रोत्साहित करेगी जिसे इन विनियमों की धारा 3 के अंतर्गत रैगिंग के रूप में माना गया है।
5. एतद्वारा मैं यह घोषित करता/करती हूँ कि यदि मेरी संतान रैगिंग की दोषी पाई जाती/पाया जाता है तो वह इन विनियमों की धारा 9.1 के अनुसार दण्ड की भागीदार होगा/होगी जो कि किसी भी अन्य आपराधिक कृत्य के पूर्वाग्रह के बिना होगा-तथा जो दण्ड मेरी संतान के विरुद्ध किसी भी दण्ड संबंधी कानून के अथवा वर्तमान में लागू किसी भी अन्य कानून के अनुसार होगा।
6. एतद्वारा मैं यह घोषित करता/करती हूँ कि यदि मेरी संतान इस देश में विद्यमान किसी भी संस्थान द्वारा रैगिंग की दोषी अथवा उसमें सहायक होने कि अथवा षडयन्त्र का एक हिस्से के रूप से दोषी होने के कारण अथवा उसे प्रोत्साहित करने के दोष के कारण निष्कासित नहीं हुई है/हुआ है तथा मैं यह भी पुष्टि करता हूँ कि यदि यह घोषणा असत्य पाई जाती है, तो मेरी संतान को दिया गया प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।

घोषित किया गया ..... दिन ..... माह ..... वर्ष .....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम:

पता:

दूरभाष सं./मो. नं.:


## सत्यापन

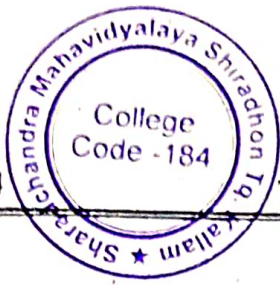
सत्यापित किया जाता है कि यह वचनबद्धता मेरे संज्ञान में सर्वांगीण रूप से सत्य है तथा इसका कोई भी अंश असत्य नहीं है तथा इसमें कथित कोई भी बात ना तो छिपाई गई है और ना ही अयर्थाथ कही गई है।

सत्यापित (स्थान) ..... दिन ..... माह ..... वर्ष .....

शपथकर्ता के हस्ताक्षर

नाम:

  
I/C PRINCIPAL  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon Tq Kallam



## UNIVERSITY GRANTS COMMISSION

## NOTIFICATION

New Delhi, the 25th December, 2013

No. F. 15-3/2013 (ARC) Pt. III.—In exercise of powers conferred under clause (g) of sub-section (1) of section 26 of the University Grants Commission Act 1956 (3 of 1956), the University Grants Commission hereby makes the following regulations, namely:-

(1) These regulations may be called the "curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions (second Amendment) Regulations, 2013".

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter referred to as the Principal regulations), in the Annexure-I and II of the regulations, the sentences containing the following shall be deleted:

"Solemnly affirmed and signed in my presence on this (day) of (month), (year) after reading the contents of this affidavit.

OATH COMMISSIONER"

UPAMANYU BASU, Secy.

[ ADVT. III/4/Exty/113/13]

Foot Note: The principal Regulations were published in the Gazette of India, vide notification number 27 dated 04.07.2009.

## ANNEXURE-I

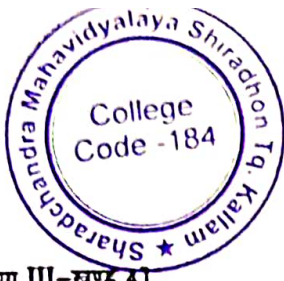
UNDERTAKING BY THE STUDENT

I, (full name of student with admission/registration/enrolment number) s/o d/o Mr./Mrs./Ms. \_\_\_\_\_, having been admitted to (name of the institution), have received a copy of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations") carefully read and fully understood the provisions contained in the said Regulations.

- (2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what constitutes ragging.
- (3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against me in case I am found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being part of a conspiracy to promote ragging.
- (4) I hereby solemnly aver and undertake that
- (a) I will not indulge in any behaviour or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
- (b) I will not participate in or abet or propagate through any act of commission or omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.

I/C PRINCIPAL

Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon Tq Kallam



- (5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, I am liable for punishment according to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against me under any penal law or any law for the time being in force.
- (6) I hereby declare that I have not been expelled or debarred from admission in any institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is found to be untrue, I am aware that my admission is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year.

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name:

#### VERIFICATION

Verified that the contents of this undertaking are true to the best of my knowledge and no part of the undertaking is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at \_\_\_\_\_ (place) on this the \_\_\_\_\_ (day) of \_\_\_\_\_ (month), \_\_\_\_\_ (year).

\_\_\_\_\_  
Signature of deponent  
Name:

#### ANNEXURE-II

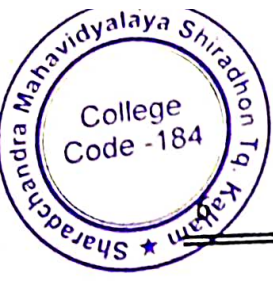
#### UNDERTAKING BY PARENT/GUARDIAN

I, Mr./Mrs./Ms. \_\_\_\_\_ (full name of parent/guardian) father/mother/guardian of, \_\_\_\_\_ (full name of student with admission / registration/enrolment number) \_\_\_\_\_, having been admitted to \_\_\_\_\_ (name of the Institution) \_\_\_\_\_, have received a copy of the UGC Regulations on Curbing the Menace of Ragging in Higher Educational Institutions, 2009, (hereinafter called the "Regulations"), carefully read and fully understood the provisions contained in the said Regulations."

- (2) I have, in particular, perused clause 3 of the Regulations and am aware as to what constitutes ragging.
- (3) I have also, in particular, perused clause 7 and clause 9.1 of the Regulations and am fully aware of the penal and administrative action that is liable to be taken against my ward in case he/she is found guilty of or abetting ragging, actively or passively, or being part of a conspiracy to promote ragging.
- (4) I hereby solemnly aver and undertake that
- (a) My ward will not indulge in any behaviour or act that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
- (b) My ward will not participate in or abet or propagate through any act of commission or omission that may be constituted as ragging under clause 3 of the Regulations.
- (5) I hereby affirm that, if found guilty of ragging, my ward is liable for punishment according to clause 9.1 of the Regulations, without prejudice to any other criminal action that may be taken against my ward under any penal law or any law for the time being in force.

1431 CA114-2

  
I/C PRINCIPAL  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon Tq Kallam



- (6) I hereby declare that my ward has not been expelled or debarred from admission in any institution in the country on account of being found guilty of, abetting or being part of a conspiracy to promote, ragging; and further affirm that, in case the declaration is found to be untrue, the admission of my ward is liable to be cancelled.

Declared this \_\_\_\_\_ day of \_\_\_\_\_ month of \_\_\_\_\_ year.

Signature of deponent

Name:

Address:

Telephone/Mobile No.:

**VERIFICATION**

Verified that the contents of this undertaking are true to the best of my knowledge and no part of the undertaking is false and nothing has been concealed or misstated therein.

Verified at (Place) on this the (day) of (month) (year).

Signature of deponent

Name:

  
I/C PRINCIPAL  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon Tq Kallam



**Grievance Redressal Policy**

❖ **Grievance Redressal Mechanism**

The college has a Grievance Redressal Cell to redress the grievance of its stakeholders. The students approach the cell to voice their grievances regarding academic matters, health services, library and other services. A Student may send his/her grievance to the Principal over email or put the note in the Grievance box in at Library. The cell redresses the grievances by sorting out the problems promptly and judiciously.

❖ **Objectives:**

The objective of the Grievance Cell is to develop a responsive and accountable attitude among all the stakeholders in order to maintain a harmonious educational atmosphere in the institute.

- Encouraging the Students to express their grievances / problems freely and frankly, without any fear of being victimized.
- Suggestion / complaint Box is installed in front of the Library in which the Students, who want to remain anonymous, put in writing their grievances and their suggestions for improving the Academics / Administration in the College.
- Advising Students of the College to respect the right and dignity of one another and show utmost restraint and patience whenever any occasion of rift arises.
- Advising All the Students to refrain from inciting Students against other Students, teachers and College administration.
- Advising all staffs to be affectionate to the Students and not behave in a vindictive manner towards any of them for any reason.
- Ragging in any form is strictly prohibited in and outside the institution. Any violation of ragging and disciplinary rules should be urgently brought to the notice of the Principal.

❖ **Scope:**

The cell will deal with Grievances received in writing from the students about any of the following matters:-

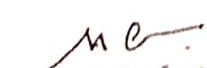
- **Academic Matters:** Related to timely issue of duplicate Mark-sheets, Transfer Certificates, Conduct Certificates or other examination related matters.
- **Financial Matters:** Related to dues and payments for various items from office, library, etc.
- **Other Matters:** Related to certain misgivings about conditions of sanitation, availability of transport, victimization by teachers etc.


❖ **Functions:**

- The cases will be attended promptly on receipt of written grievances from the students
- The cell formally will review all cases and will act accordingly as per the Management policy
- The cell will give report to the authority about the cases attended to and the number of pending cases, if any, which require direction and guidance from the higher authorities.

❖ **Procedure for lodging complaint:**

- The students may feel free to put up a grievance in writing/or in the format available in the admin dept. and drop it in boxes
- The Grievance Cell will act upon those cases which have been forwarded along with the necessary documents.
- The Grievance Cell will assure that the grievance has been properly solved in a stipulated time limit provided by the cell.

  
Dr. Saad Chaus  
Head of Dept.  
In-charge of the Cell  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon, Tq. Kallam, Dist. O'beroi

  
Dr. G.D. Birajdar  
Principal  
Sharadchandra Mahavidyalaya  
Shiradhon, Tq. Kallam